

कुमारपाल संस्कृत आयुक्त (प्रथम) देवरथान विश्वाग, जयपुर खण्ड, जयपुर

मारा परा



ओष्ठनियम 1959 (1959 का 42) के अधीन संस्कृत देवरथान आयुक्त, जयपुर खण्ड, जयपुर के कार्यालय में आज के दिन रजिस्ट्रीकृत कर दिया गया है।

1. सार्वजनिक प्रन्थास का नाम : श्रीमद्भागवत बृहद्

2. सार्वजनिक प्रन्थास के रजिस्टर में संख्या 225 दिन 2019

3. प्रमाण-पत्र अमालाधर - पुनर्वाचन को जारी किया गया।

मेरे हस्ताक्षरों से आज दिनांक 23 मास 10 सन् 2019 को दिया गया।

30/10/2019
संस्कृत आयुक्त
देवरथान विश्वाग
जयपुर खण्ड